

नई दिल्ली
सोमवार
12 अक्टूबर 2026
वर्ष: 13, अंक: 38
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु०

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhawnatoday@gmail.com

web: www.sadbhawna.today

अर्शदीप-अभिषेक के दम पर भारत की जीत, तीसरे...पेज-06

DELHIN/2014/58158

नीतीश कुमार ने किया 71वें श्री रामलीला महोत्सव...पेज-05

एक नजर

भारतीय रेलवे ने 3,548 एनटीपीसी स्नातक पदों पर भर्ती की शुरु

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने बड़ा अवसर प्रदान किया है। बोर्ड ने गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी-स्नातक) के तहत केंद्रीकृत योजनाएं अधिसूचना जारी कर 3,548 स्नातक-स्तरीय पदों की घोषणा की है। इन पदों के लिए 8 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 6 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। रेलवे मंत्रालय के अनुसार इस मती के जरिए ट्रेन संचालन, वाणिज्यिक सेवाओं, लेखा और प्रशासन से जुड़े पात्र प्रमुख पदों को भरा जाएगा। इनमें मालगाड़ी प्रबंधक के लिए 2,750 पद, वरिष्ठ वर्ल्क सह टाइमिस्ट 371 पद, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइमिस्ट 300 पद, मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक के लिए 127 पद हैं। मूल वेतन के अतिरिक्त 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार निर्धारित भत्ते और सेवा लाभ भी लागू होंगे। आवेदक 6 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है और आवेदन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 8 नवंबर तक है। वहीं, आवेदन पत्र में सुधार या संशोधन के लिए 9 नवंबर से 18 नवंबर तक किया जा सकता है। उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या उसके समकक्ष निर्धारित योग्यता होनी चाहिए। न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 33 वर्ष निर्धारित की गई है। नियमानुसार अरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से योग्यता-आधारित होगी, जिसे कई चरणों में पूरा किया जाएगा। इनमें प्रथम चरण में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी-1), द्वितीय चरण में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी-2), दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षण, टाइमिंग टेस्ट में छूट और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए कई सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा, अग्रगण्य विस्तृत अधिसूचना देखने और ऑनलाइन आवेदन करने के लिए केवल रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

**संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार
कार्यालय की टिप्पणी आंतरिक
मामलों में दखल : भारत**

नई दिल्ली। भारत ने राजधानी दिल्ली में शनिवार को विधेय प्रदर्शन की घटनाओं के संबंध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की टिप्पणी पर सख्त आपत्ति जताते हुए इसे देश के आंतरिक मामलों में बेवजह हस्तक्षेप करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की चिंता गलत है और यह भारत के आंतरिक मामलों में बिना वजह हस्तक्षेप देने जैसा है। मिशन ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां संविधान शांतिपूर्ण तरीके से समा करने का अधिकार देता है। इस अधिकार की रक्षा मजबूत संस्थाओं, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया के जरिए की जाती है। पोस्ट में कहा गया है कि हर लोकतंत्र की तरह यहां भी सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध लागू होते हैं। अधिकारियों की कार्यवाही कानून के अनुसार होती है और किसी भी शिकायत के समाधान के लिए अदालतें उपलब्ध हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय को निष्पक्षता और सभी के साथ समान व्यवहार के अपने सिद्धांतों के तहत दुनिया के अन्य स्थानों पर हो रहे बड़े प्रदर्शनों पर भी इसी तरह ध्यान देना चाहिए।

डीआरआई ने 11.50 करोड़ रुपये के 7.8 किग्रा का सोना किया जब, छः लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वी भारत में बांग्लादेश से होने वाली सोने की तस्करी से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। डीआरआई ने विशेष अभियान चलाकर 7.8 किलोग्राम से अधिक विदेशी मूल का सोना जप्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत 11.50 करोड़ रुपये से अधिक है। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।




बांग्लादेश सीमा से जुड़े तस्करी के रास्तों का पता चला, जबकि तस्करी सिंडिकेट के कथित सरगना समेत

वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि डीआरआई ने पूर्वी भारत में खुफिया जानकारी के आधार पर कई ऑपरेशन चलाकर लगभग 7.8 किलोग्राम विदेशी सोना जप्त किया है, जिसको कीमत 11.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक आई ऑपरेशन में डीआरआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के डंकुनी टोल प्लाजा पर एक चारपहिया वाहन को रोका। इसमें चार लोग सवार थे, जो बाल्तास्त से सीमा के पास स्थित शहर बनपुर से

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुड

आवाज़ अधिकार की

आवाज़ अधिकार की



हर युवा को अपने भविष्य को बड़े परिदृश्य में देखना चाहिए: मोदी

☐ प्रधानमंत्री नरेंद्र ने चेन्नई स्थित जयगोपाल गारोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया

नई दिल्ली, एएनसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत के नए विचार और समाधान से भारत सहित विश्व का भविष्य भी तय होगा। भारत में अनंत अवसर मौजूद हैं और हर युवा को अपने भविष्य को इस बड़े परिदृश्य में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'यही आपका समय है। यही आपका अवसर है। सुनें पूरा विश्वास है कि यह सपना साकार होगा। साथे मिलकर, हम इसे कर दिखाएंगे।'

प्रधानमंत्री ने आज चेन्नई स्थित जयगोपाल गारोडिया हिंदू विद्यालय में ट्रिक्कूलेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया और वहां उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'आज का युवा विकसित भारत की ताकत बनना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए विचार चाहिए, जो नए समाधान चाहिए, हमारा भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तय होगा। आज भारत को जो अनंत अवसर हैं, मैं चाहता हूँ कि हर युवा अपने भविष्य को उतने ही बड़े कैनावाँश पर देखे। क्योंकि यह आपका समय है, यह आपका अवसर है। ये मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा ये सपना पूरा रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए नई सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सहयोग मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। भारत वर्ष 2030 में ग्राह्मंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही देश वर्ष 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी का सपना लेकर भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के युवा खेलों की दुनिया में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। विश्व हिंदू विद्या केंद्र



की स्थापना के 50 वर्ष पर मोदी ने विद्यालय के भवन निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जयगोपाल गरोड़िया को याद किया। उन्होंने विद्यालय की यात्रा को सफल बनाने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और पूर्व विद्यार्थियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्त नागरिकों के निर्माण का भी उदाहरण है।

प्रथममंत्रों ने गाँगराज आम्मा की पहल का
उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों को
प्रतिदिन एक रुपये बचाकर देश के सैनिकों को
समर्पित करने का विचार दिया था। हजारों बच्चों
के इस अभियान से जुड़ने पर लगभग 40 लाख
रुपये जुटाए गए। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे
योगदान भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।
जरूरतमंदों की सहायता और स्वच्छता अभियानों
में भागीदारी जैसे सेवा के मूल्य विद्यालय की
समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से देश में शिक्षा
की गुणवत्ता को सुधार हो रहा है। भारतीय शिक्षण
संस्थानों की वैश्विक पहचान भी मजबूत हुई है।

वर्ष 2015 की वयूएस रैंकिंग में भारत के 14 विश्वविद्यालय शामिल थे, जबकि नवीनतम रैंकिंग में यह संख्या बढ़कर 52 हो गई है। इससे विद्यार्थियों के लिए विकल्प और अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 750 विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,300 से अधिक हो गई है। इसी अवधि में कॉलेजों की संख्या लगभग 38 हजार से बढ़कर 52 हजार से अधिक हो गई है। बीते वर्षों में देश में कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से देश की विविधता को करीब से जानने और तमिल भाषा तथा संस्कृति को आगे बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, तमिल कविता, कहानियों और परंपराओं को दूसरों के साथ साझा करना चाहिए तथा अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों से मित्रता करनी चाहिए। ऐसी मित्रता राष्ट्रीय एकता

देश में विभाजन और अराजकता के दुष्प्रचार का अभियान चलाया जा रहा: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि देश में विभाजन और अराजकता के दुष्प्रचार का एक अभियान चलाया जा रहा है। भारत बहुत प्रभावी स्थिति में उभरकर आगे आ रहा है और बहुत-सी शक्तियों को यह अच्छा नहीं लग रहा होगा। भाजपा प्रवक्ता सुभाष त्रिवेदी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि एक किलोमीटर तक बैरिकेडिंग हो गई तो इन्हें आपातकाल याद आ गया। उन्हें लगता है कि आज की पीढ़ी को याद दिलाना चाहिए कि आपातकाल क्या था। आज यहाँ बैठकर ये लोग प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अनाप-शानप बोलते हैं। लेकिन आपातकाल के दौरान अगर आप यह बोल देते कि इंदिरा गांधी को हटाना है तो आप जेल में होते और जमात के लिए आवेदन भी नहीं कर सकते थे। क्रिपस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अराजकता व विभाजन की आग में झोंकते हुए नेता प्रतिपक्ष ने एक बार फिर चेन्नई में निराधार और अनर्गल आरोप हमारी सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर लगाने का प्रयास किया है।

राजनीतिक दलों और समुदायों से इसमें भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि उनकी ओर से देश के मुख्य न्यायाधीश को एक जापान सौंपा जाएगा और उनसे मांग की जाएगी कि देश में वोट चोरी बंद हो, एसआईआर की प्रक्रिया पर रोक लगे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें। राहुल ने कहा, 'देश का युवा, तमाम विपक्षी दल, सिविल सोसाइटी और लोकतंत्र' में विश्वास रखने वाले, भारत के सिंधिधान के साथ खड़े सभी लोग हमारे साथ चलेंगे।

सोमवार को
के नेतृत्व में
सूर्यकांत को
लिए पार्टी
करेगी। कांग्रेस
वार को इसकी
से उनके साथ
कांग्रेस नेता ने
गातिपूर्ण ढंग से
करने आए थे
रखने नहीं दी
का भारत नहीं
ी सुप्रीम कोर्ट
। उन्होंने सभी

तानाशाही के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा

मेंने कोई बांड नहीं भरा : हिरास



उनका मोबाइल फोन दे दें ताकि वे अपने भाई का नंबर तलाश सकें, लेकिन उन्हें यह

मैं हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर चला: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले 25 वर्षों से सरकार के प्रमुख के रूप पर कार्य के दौरान लोकतंत्र को दृढ़ शक्तियों पर उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। यह शक्तियाँ देश की जनता और सहकारी संघवाद। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास का लेक कर रहा। प्रधानमंत्री मोदी आज तमिलनाडु के दौरे पर चेन्नई पहुंचे। उन्होंने पहले चेन्नई में रूर बाईपास स्टेशन से पूनामल्ली बाईपास स्टेशन तक की यात्रा की और फिर वापस लौटे। इसके बाद नकडेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजा की। फिर आईआईटी मद्रास स्थित मस्तिष्क केंद्र का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की धारशिला रखी, उनका उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित किया। इसके बाद उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत से पूरा लेकर विज्ञान की प्रगति और आधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में 13 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से परिवहन, उद्योग और व्यापार को मजबूती मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर परिवहन के लिए केल्ल सड़कों को चौड़ा करना पर्याप्त नहीं है बल्कि आधुनिक शहरों में समग्र बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इसी उद्देश्य से पिछले एक दशक में हमने मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया है। वर्ष 2014 में देश के केल्ल पांच शहरों में मेट्रो सेवा शुरू की थी, जबकि अब 25 शहरों में मेट्रो चल रही है। मोदी ने कहा कि तमिलनाडु के लिए आज दिन विशेष है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं के तहत कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। इनसे दैनिक आवागमन आसान होगा, उद्योग और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि मदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु के अनुभव भारत की भावना को दर्शाते हैं भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेता है और विज्ञान की प्रगति के साथ आगे बढ़ता है। सुनिक बुनियादी ढांचा नए अवसर पैदा कर रहा है।

मजबूत करती है।

[illegible]

शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, सांस्कृतिक मूल्यों और सर्वांगीण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को पीढ़ियों को तैयार करने में इसकी भूमिका का प्रतीक है। अपने आदर्श वाक्य 'सा विद्या या विमुक्तये' (ज्ञान जो मुक्ति दिलाता है) से प्रेरित यह विद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करने का प्रयास करता है, जो समाज में सार्थक योगदान दें। समय के साथ, संस्थान ने बदलती शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढाला है। साथ ही, यह चरित्र निर्माण, ज्ञान और जिम्मेदार नागरिकता के मूल्यों पर निरंतर जोर देता रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने विरोध प्रदर्शन के दौरान अवमानना मामले में दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एंजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त जगेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान मेट्रो स्टेशन बंद करने के लिए उभरे खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए।

न्यायमूर्त जायमाल्य बाग्या और वी. मोहना का एक विशेष पाठ के अधिकारियों को अस्पमना पीछे का जवाब देते हुए एक संक्षिप्त हलफनामा दाखिल करने और विरोध-प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक परिवहन और आवाजाही के संबंध में नौ अक्टूबर को जारी अदालत के पिछले निर्देशों को पालन पर एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अदालत ने कई निर्देशों में आदेश दिया कि मेट्रो और रेलवे सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए, हार्मार्किंग सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जरूरी नियम लागू किए जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि यातायात



नियमन के अलावा शहर में आवाजाही में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए, सड़क पर लगे बैरिकेड्स की तुरंत समीक्षा करने का निर्देश दिया और आदेश दिया कि अधिकारियों के पास मौजूद कानूनी अधिकारों के तहत इंटरनेट सेवाएं बिना किसी स्कावट के चलती रहनी चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया कि किसी को भी गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए और उन इलाकों के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने की अनुमति दी जानी चाहिए जहां भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बोपनसएस) की धारा 163 (जिसने पहले की दंड

प्रक्रिया संहिता की धारा 144 की जगह (ली है) के तहत प्रतिबंध लागू हैं। न्यायमूर्ति मोहना ने विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करने वालों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन सुनिश्चित करने की उनकी जिम्मेदारी भी याद दिलाई। उन्होंने कहा, ‘आप सभी को यहाँ मौजूद हैं, अगर आप सभी में जनहित में रुचि रखते हैं, तो कृपया यह वचन दें कि आप सभी शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करेंगे और किसी अन्य व्यक्ति को उकसाएंगे नहीं। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने सहमति व्यक्त की और अधिकारियों से भी इसी तरह के आश्वासन की मांग की। उन्होंने कहा, ‘बिल्कुल। और उनकी तरफ से भी यह वचन आना चाहिए कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे।’ अदालत ने उच्चतम न्यायालय के बाहर लगे उस बोर्ड को हटाने का भी आदेश दिया जिसमें आसपास के इलाके में बीएनएसएस की धारा 163 लागू होने की घोषणा की गई थी। अदालत ने कहा कि नागरिकों और वकीलों को अदालत तक पहुंचने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

तानाशाही के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा

मेंने कोई बांड नहीं भरा : हिरास



उनका मोबाइल फोन दे दें ताकि वे अपने भाई का नंबर तलाश सकें, लेकिन उन्हें यह

सुविधा भी नहीं दी गई। अपनी गिरफ्तारी की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए सीजेपी संस्थापक ने कहा कि उनके मामले में उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई बांड नहीं साइन किया है, जिसमें भविष्य में विरोध प्रदर्शन न करने की कोई शर्त हो।

टिपक ने हुकार भरी कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की 'तानाशाही' के खिलाफ एक बार फिर सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा के लिए दिल्ली में रास्ते बंद किए गए और मेट्रो सेवाओं को बाधित किया गया। विमान के अंदर से अपनी गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए उन्होंने तंज कसा कि ऐसा बतावा किया जा रहा था मानो वे और अन्य प्रदर्शनकारी कोई आतंकवादी का आरोप लगाया और दावा किया कि कदाचार के आरोपी पुलिसकर्मियों को पदोन्नति से नवाजा जा रहा है। महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की सिद्धांतों का स्मरण करते हुए श्री दीपक ने दृढ़ संकल्प जताया कि वे गिरफ्तारियों से डरने वाले नहीं हैं और सरकार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने दो टूक कहा, 'चाहे मुझे सौ बार जेल में डाल दिया जाए, मैं आपको तानाशाही को बदरस्त नहीं करूंगा।'

एक नजर

मेरी मां को धक्का दिया, मुझे घसीटकर ले गए पुलिसवाले: ध्रुव राठी

गुरुग्राम। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने हिरासत से

रिहा होने के बाद वीडियो जारी कर दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि शनिवार की सुबह सादे कपड़ों में करीब 50 लोग गुरुग्राम के केंद्रीय विहार स्थित उनके घर में घुसे। उनकी मां को धक्का दिया और उन्हें बेडरूम से घसीटकर जीप में ले गए। उन्हें 22–23 घंटे हिरासत में रखा गया और वकील से बात नहीं करने दी गई। ध्रुव राठी ने इस कार्रवाई को गिरफ्तारी नहीं, किडनैपिंग बताया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उन्हें सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच थाने में रखा गया था। हालाँकि इस मामले में पुलिस का आधिकारिक बयान नहीं आया है। जारी वीडियो में ध्रुव राठी ने पासपोर्ट दिखाते हुए कहा मैं जर्मनी या किसी दूसरे देश का नागरिक नहीं हूँ। मैं भारतीय हूँ, भारतीय था और भारतीय रहूँगा। मुझे देश के मुद्दों पर बोलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात हैं और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को डराया जा रहा है। पीएम मोदी सरकार पर चुनाव आयोग, मीडिया और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं पर दबाव बनाने का आरोप भी लगाया। बता दें कि ध्रुव राठी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर लोगों से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। जिसके बाद वे पुलिस के रडार पर थे। शनिवार की सुबह पुलिस ने उन्हें घर से ही हिरासत में ले लिया। जिस कारण वे जंतर-मंतर पर नहीं पहुंच पाए।

मोबाइल टावर लगाने का विरोध, वापस लेकर लौटे कर्मचारी

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ में हरि विहार में

मकान की छत पर मोबाइल टावर लगाने को लेकर रविवार को हंगामा हो गया। टावर लगाने का सामान पहुंचने की सूचना मिलते ही गली नंबर-17 के लोग एकत्रित हो गए और काम का विरोध शुरू कर दिया। लोगों के बढ़ते विरोध को देखते हुए कंपनी के कर्मचारियों को टावर लगाने का सामान वापस गाड़ी में लादकर ले जाना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सामान वापस ले जाने के बाद मामला शांत हो गया। स्थानीय निवासी जगदीश, हरिचंद बघेल और महिला रेखा ने बताया कि वे पिछले करीब एक सप्ताह से मकान की छत पर मोबाइल टावर लगाने का विरोध कर रहे हैं। रविवार की सुबह उन्हें पता चला कि टावर लगाने का सामान पहुंच गया है। इसके बाद गली नंबर-17 के लोग एकत्रित हो गए और विरोध जताया। लोगों का कहना है कि मोबाइल टावर से निकलने वाले रेडिएशन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होने का डर है। इसी आशंका के चलते वे अपने इलाके में टावर नहीं लगाने देना चाहते। लोगों के अनुसार, मकान मालिक शहंशाह ने अपना मकान किराए पर दिया हुआ है। विरोध के दौरान मकान मालिक से बात हुई तो उन्होंने बताया कि कंपनी को टावर लगाने से मना कर दिया गया है। इसके बाद सामान वापस भेजा जा रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कंपनी के कर्मचारी सामान वापस लेकर चले गए, जिसके बाद हालात सामान्य हो गए। मोबाइल टावर से रेडियोफ्रीक्वेंसी यानी रेडियो तरंगों के रूप में विद्युत चुंबकीय ऊर्जा निकलती है। इसे गैर-आयनीकरण विकिरण कहा जाता है। यह एक्स-रे जैसी आयनीकरण विकिरण से अलग होता है। बहुत अधिक तीव्रता पर रेडियोफ्रीक्वेंसी ऊर्जा शरीर के ऊतकों को गर्म कर सकती है।

अवैध संबंधों में बाधा बन रहे पति की महिला ने प्रेमी संग मिलकर की हत्या, दो नों आरोपित गिरफ्तार



गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी क्षेत्र में अवैध संबंधों के चलते एक महिला ने अपने प्रेमी संग मिलकर अपने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आज आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने रविवार को बताया कि अंशुल अपनी पत्नी निशा के साथ खोड़ा कॉलोनी के वंदना बिहार में किराए के मकान में रहते थे। दोनों पति-पत्नी नोएडा में स्थित एक एक्सपोर्ट गार्मेंट की कंपनी में काम करते थे। उन्होंने बताया कि निशा का पप्पू उर्फ गंगा भगत से अवैध संबंध हो गए। दोनों के अवैध संबंधों में अंशुल बाधा बन रहा था। इसलिए दोनों ने उसे रास्ते से हटाकर शादी करने की योजना बनाई। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर की देर रात को पप्पू ने निशा के साथ मिलकर अंशुल की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घन को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू की। पुलिस को जांच में पता चला कि अंशुल की हत्या में उसकी पत्नी और उसकी पत्नी का प्रेमी शामिल है। उन्होंने बताया कि दोनों को पुलिस ने रविवार दोपहर को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त देशी तमंचा भी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि दोनों ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार किया है।

राव इंद्रजीत सिंह ने शहीद समय सिंह की प्रतिमा का अनावरण

नूंह,एजेंसी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को गांव कुरुथला में शहीद समय सिंह की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने गांव के विद्यालय का नाम शहीद समय सिंह के नाम पर रखने, शहीद विक्रम सिंह के नाम पर भी विद्यालय का नामकरण करने तथा शहीद छतरपाल सिंह के नाम पर गांव में प्रवेश द्वार बनवाने की घोषणा की। साथ ही गांव में कम्प्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए 21 लाख रुपये देने का ऐलान किया।

समारोह से पहले केंद्रीय मंत्री ने शहीद लेफ्टिनेंट किरण शेखावत की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शहीद समय सिंह की स्मृति में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि गांव कुरुथला देशभक्ति और राक्षसेवा की मिसाल है। इस छोटे से गांव के सात वीर सपूत देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे चुके हैं। राष्ट्र



इन वीर जवानों की शहादत को हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान के कारण ही देशवासी स्वतंत्र वातावरण में सांस ले रहे हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने विचार व्यक्त कर पा रहे हैं। शहीद परिवारों का त्याग और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि शहीदों के नाम पर विद्यालयों और प्रवेश द्वार का नामकरण करना उनके बलिदान को

चिरस्थायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शहीद समय सिंह और शहीद विक्रम सिंह के नाम पर विद्यालयों का नामकरण किया जाएगा, जबकि गांव में बनने वाले प्रवेश द्वार पर शहीद छतरपाल सिंह का नाम अंकित होगा।

उन्होंने युवाओं से शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र और समाज की सेवा करने का आह्वान किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शहीद समय सिंह के पिता दलबीर

नूंह में आर्बिटल रेल कॉरिडोर टनल की जमीन फिर धंसी, ग्रामीणों में दहशत

नूंह। नूंह जिले के तावड़ उपमंडल के गांव सेहसोला में निर्माणाधीन आर्बिटल रेल कॉरिडोर की टनल में शनिवार देर रात एक बार फिर जमीन धंसने की घटना सामने आई। करीब 300 मीटर के दायरे में जमीन धंसने से आसपास के क्षेत्र में लंबी दरारें पड़ गईं। घटना में निर्माणाधीन सरकारी भवन और एक मकान को भारी नुकसान पहुंचने की जानकारी है, जबकि आसपास के तीन-चार अन्य मकानों में भी दरारें आ गईं।

बार-बार जमीन धंसने की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और निर्माण कार्य में सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शहजाद सरपंच सेहसोला,सलीम सेहसोला, मोहम्मद आफिफ, अमसीर, मुबिन खान सेहसोला सहित ग्रामीणों के अनुसार, शनिवार रात करीब 10 बजे खेत में मौजूद बच्चों ने अचानक तेज आवाज सुनी। इसके कुछ ही देर बाद जमीन में लंबी दरारें पड़ने लगीं और मिट्टी तेजी से नीचे धंस गई। ग्रामीणों का दावा है कि करीब एक एकड़ जमीन टनल में समा गई। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि करीब पांच दिन पहले भी टनल का लगभग 20 मीटर हिस्सा धंस गया था। इसके बावजूद दोबारा जमीन धंसने की घटना

सामने आने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कंपनी पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि घटना के समय टनल के अंदर मजदूर काम कर रहे हो सकते थे। ऐसे में उनके मलबे में फंसे होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, टनल के अंदर किसी मजदूर के फंसे होने या हाताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एसआई अशोक कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। एहतियात के तौर पर घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है और ग्रामीणों को प्रभावित क्षेत्र से दूर रहने के लिए कहा जा रहा है। प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। एचआरआईडीसी के अधिकारी नरेंद्र चुंबल ने बताया कि अरावली क्षेत्र में कई रहने के लिए कहा जा रहा है। प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को एनएटीएम (न्यू ऑस्ट्रेयन टनलिंग मेथड) तकनीक से काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का निर्माण कार्य रेल विकास निगम द्वारा कराया जा रहा है।

रील पर लाफिंग इमोजी भेजने पर की बाउंसर की हत्या

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद के तिलपत गांव में बाउंसर वली मोहम्मद की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि झगड़े की शुरुआत दो हफ्ते पहले इंस्टाग्राम पोस्ट पर इमोजी कमेंट और सुक्खी शूटर लिखने पर हुई। हमलावर पक्ष के साकिर नाम के युवक ने ग्रामीण पर एक गाने के साथ अपनी फोटो पोस्ट की थी। इस पर वली पक्ष के साहिर उर्फ गुड्डू (17) ने लाफिंग इमोजी कमेंट किया था। इसके बाद साकिर और साहिर के बीच फोन पर बहस हुई। बताया जा रहा है कि साकिर ने साहिर को चुनौती दी थी कि जब भी वह घर आएगा, तो उससे पूरा हिसाब करेगा।

साहिर मूल रूप से तिलपत गांव का है, लेकिन नूंह के गांव बीसरू में अपनी बुआ के घर रहकर 12वीं की पढ़ाई करता है। 8 अक्टूबर को वह बुआ के लड़के बाउंसर वली के साथ अपने गांव आया था। दोनों साहिर के ताऊ के नए घर के प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान हुए झगड़े में वली बीच-बचाव करने गया था, मगर उसकी ही हत्या कर दी गई। इस झगड़े में मारे गए वली मोहम्मद 8 अक्टूबर को अपनी मां जुनैदा, छोटे भाई आदिल, पत्नी, तीन बेटियां और इकलौते बेटे के साथ गांव तिलपत आया था। वह 4 साल बाद अपने मां के घर पहुंचा था। साहिर उर्फ गुड्डू भी उसके परिवार के साथ



आया था। सभी 9 अक्टूबर को वापस नूंह के गांव बीसरू लौटने वाले थे। साहिर के मुताबिक, वह 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे अपने घर पहुंचा था। करीब 3 बजे वह गली से गुजर रहा था। उसका घर आरोपियों के घर से करीब 150 मीटर दूर है। आरोप है कि उसे देखकर आरोपी साकिर ने अपने साथियों से कहा, टागेरट याद है। आरोप है कि शाम के समय साकिर घर के बाहर गली में खड़ा था। तभी साकिर तेज रफ्तार से बाइक लेकर आया और उसे टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। गुड्डू के पिता तैय्यब और बुआ के बेटे वली मोहम्मद ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत करा दिया। इसके बाद दोनों पक्ष अपने-अपने घर चले गए।

स्वस्थ नागरिक ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला: सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने रविवार को गांव दौलताबाद स्थित सीएससी सेंटर में आयुष विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में शिरकत की। उन्होंने शिविर में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और क्षेत्र के नागरिकों से संवाद कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं,

सुविधाओं तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना रहा। इस दौरान स्थानीय लोगों ने शिविर में उपलब्ध सेवाओं का लाभ लिया और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर



आयोजित इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और नोकिया की नई पहल

अशोक कुमार, सदभावना टुडे ग्रेटर नोएडा। टेलीकॉम और एआई इंडस्ट्री में जिस तरह से तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के बीच तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव वाले प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ रही है। उसी के अनुरूप गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को तैयार करने का काम कर रहा है। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के पढ़ाई के साथ ही उससे जुड़े व्यावहारिक अनुभव देने का काम किया जा रहा है। इससे यहां पर टेलीकॉम या एआई से जुड़ी पढ़ाई कर रहे छात्र पहले दिन से ही इंडस्ट्री के लिए तैयार हैं और वह उनको काम को आसान कर रहे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के पहले

सरकारी विश्वविद्यालय जीबीयू में नोकिया सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार करना है। इसे नोकिया के सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत संचालित इस सेंटर का क्रियान्वयन टेलीकॉम सेक्टर स्किल कार्डसिल कर रहा है। इसके माध्यम से अभी तक कुल 200 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो वह अब इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हैं। परियोजना के तहत कुल 720 अभ्यर्थियों को एआई, मशीन लर्निंग (एमएल), फाइव-जी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी आधुनिक तकनीकों का

सिंह, माता बिरेश देवी और उनकी बहनॉं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। शहीद किरण सिंह शेखावत के ससुर एवं पूर्व सरपंच श्रीचंद को भी सम्मानित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सेना में सेवा देने के बाद वापस आने वाले अग्निवीरों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पुलिस और अर्धसैनिक बलों में भर्ती के दौरान अग्निवीरों को अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं नूंह जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे पर गांव उजीना के पास दिल्ली की ओर आने-जाने के लिए कनेक्टिविटी निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य छह माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद जिले के लोगों को दिल्ली आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी।



प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव भी दिया जा रहा है, जिससे वे उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित कर सकें। प्रशिक्षण पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को टेलीकॉम और नेटवर्किंग क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। परियोजना के तहत तीन प्रमुख पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसमें एआई एवं एमएल एडवांस्ड पाठ्यक्रम में 210

पानी के टैंकर ने बच्चे के कुचला, हुई मौत

फरीदाबाद। नहर पार सेक्टर 86 में पानी का टैंकर लेकर जा रहा ट्रैक्टर ने एक साल के मासूम को कुचल लिया। हादसे में परिवार के इकलौते बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे का परिवार मूल रूप से मध्यप्रदेश का रहने वाला है और यहां पर मजदूरी करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।मध्यप्रदेश के रहने वाले बच्चे के पिता जितेन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि उसका बेटा राहुल शनिवार शाम को रोड के पास बैठा खेल रहा था। वह कमरे के अंदर बैठे हुए थे कुछ ही समय बाद उनको बच्चों को शोर सुनाई दिया। उन्होंने जाकर देखा तो उसके बच्चे को कुचल दिया गया था। पानी के टैंकर को लेकर जा रहा ट्रैक्टर पीछे हटते समय बच्चे के सिर पर चढ़ गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बच्चे के परिवार के अनुसार बच्चे का 12 अक्टूबर को जन्मदिन था। इस दिन वह अपना एक साल पूरा कर रहा था और दूसरे साल में प्रवेश करने वाला था। परिवार का कहना है कि यह उनके परिवार का इकलौता बच्चा था।

सिधरावली व राठीवास गांव को मिली नए स्वास्थ्य केंद्रों की सौगात

गुरुग्राम,एजेंसी। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने रविवार को सिधरावली में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और राठीवास में नए उप-स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया। दौलताबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अपग्रेड करने के कार्य का भी शुभारंभ किया। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य संस्थानों को स्थानीय जरूरतों और आबादी के अनुरूप अपग्रेड करने, आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ वीरेंद्र बसवाना, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ अनुज गर्ग, डॉ नीलिमा तथा डॉ. रश्मि बत्रा, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. मोनिका, गुरुग्राम के भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, गुरुग्राम महानगर अध्यक्ष अजीत यादव समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का

श्रीदुर्गा रामलीला में राम जन्म पर अयोध्या नगरी जैसा रहा माहौल

गुरुग्राम। जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला के 61वें रामलीला महोत्सव के दूसरे दिन भगवान श्रीराम के जन्म की लीला ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। प्रभु श्रीराम के जन्म के साथ ही पूरा रामलीला परिसर अयोध्या नगरी में परिवर्तित होता नजर आया। ढोल-नगाड़ों, भजनों और बधाइयों के बीच श्रद्धालुओं ने नाच-गाकर खुशियां मनाईं।

राम जन्म की लीला से पहले मंच पर दिखाया गया कि राक्षसों के अत्याचार से धरती और देवता परेशान हैं। राक्षसों के बढ़ते आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए देवताओं ने भगवान विष्णु की आराधना की और उनसे पृथ्वी पर अवतार लेकर अर्धम का नाश करने की प्रार्थना की। इसके बाद कथा राजादशरथ के दरबार में पहुंची, जहां तीन रानियां होने के बावजूद संतान सुख से वंचित राजा दशरथ

चिंतित नजर आए। राजा दशरथ अपनी व्यथा लेकर गुरु वशिष्ठ के आश्रम पहुंचे। उन्होंने संतान प्राप्ति की इच्छा व्यक्त करते हुए अपनी पीड़ा बताई। गुरु वशिष्ठ ने उन्हें पुत्रेष्टि यज्ञ कराने का सुझाव दिया। इसके बाद राजा दशरथ ने ऋषि के मार्गदर्शन में यज्ञ करवाया। इस दृश्य को श्रृंगेरी शारदा पीठ वेद पाठशाला के विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रों के सस्व उच्चारण से अत्यंत जीवंत बना दिया। मंत्रोच्चार और वैदिक परंपरा के अनुरूप हुए यज्ञ ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। यज्ञ के उपरांत प्राप्त खीर को राजा दशरथ ने अपनी तीनों रानियों ने चार राजकुमारों राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न को जन्म दिया। इसके बाद भगवान शिव के मदारी का रूप धारण कर अयोध्या पहुंचने की मनोहारी लीला दिखाई गई।

अभ्यर्थियों, एआई एवं एमएल फाउंडेशन में 210

अभ्यर्थियों और फाइव-जी विथ आइओटी पाठ्यक्रम में 300 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अभ्यर्थियों को टेलीकाम तकनीशियन-आईओटी डिवाइस एवं सिस्टम और प्रोजेक्ट सुरवाइजर-फाइव-जी नेटवर्क और एआई/एमएल जैसी औद्योगिक भूमिकाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। परियोजना के तहत विश्वविद्यालय परिसर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब स्थापित की गई है। इसमें फाइव-जी नेटवर्किंग उपकरण, स्मार्ट आइओटी एग्रीकल्चर मानिटरिंग किट, एनजी मानिटरिंग सिस्टम और जरूरी टेस्टिंग टूलस लगाए गए हैं। इन उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी अवधारणाओं को समझने के साथ ही वास्तविक उपकरणों पर काम करने का अवसर मिल रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त बीटेक सीएसई से चौथे इयर के छात्र प्रिंस और बीटेक कंप्यूटर साइंस से थर्ड इयर के छात्र शशांक कुशवाहा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान टेलीकॉम और एआई के अपडेट जानकारीयां हासिल की हैं और इससे उन्हें नौकरी हासिल करने में लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि जो चीजें उन लोगों को इंटरंशिप के दौरान सीखने को मिलती हैं, वह उन लोगों ने प्रशिक्षण के दौरान ही हासिल कर ली है।

फरीदाबाद पुलिस की मध्यप्रदेश के पत्थर गैंग से हुई मुठभेड़,पांच गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में क्राइम ब्रांच की मध्य प्रदेश के पत्थर गैंग से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की क्रॉस फायरिंग में दो बदमाशों को गोली लगी है। भागने की कोशिश कर रहे इनके पांच साथियों को भी पुलिस ने दबोच लिया है। क्राइम ब्रांच अधिकारियों का कहना है कि बदमाशों ने टीम को देखते ही उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। अभी बदमाशों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन में सामने आया है कि सातों बदमाश मध्य प्रदेश से आकर फरीदाबाद में घरों में लूट करते थे। इन्होंने कई घटनाओं को अंजाम दिया है। अभी सभी के क्रिमिनल रिकार्ड खंगाले जा रहे हैं। क्राइम ब्रांच सेक्टर-16 की टीम को रविवार को गिरोह के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने बल्लभगढ़ सदर थाना क्षेत्र में गांव सोतई की ओर जाने वाले रास्ते पर बदमाशों को घेर लिया। पुलिस टीम को सामने देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई

फायरिंग के बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने टीम पर कई राउंड गोलियां चलाईं। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई। दोनों घायल होकर गिर पड़े।पुलिस ने उन्हें काबू में लेकर इलाज के लिए बीके अस्पताल पहुंचाया। मुठभेड़ के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरोह के पांच अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मध्य प्रदेश का रहने वाला है और फरीदाबाद क्षेत्र में चोरी व लूटपाट की वारदातों को अंजाम देत था।पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह की अन्य वारदातों और सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य दिन में घरों की रेकी करते थे और रात में मौका देखकर चोरी व लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते थे। घर में लोगों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए आरोपी पत्थर फेंकते थे।



समग्र विकास केवल सडक, परिवहन और आधारभूत सुविधाओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि वहां के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे जिले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। पटौदी की विधायक बिमला चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से गुरुग्राम और पटौदी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य, सडक, बिजली और

शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सिविल लाइन क्षेत्र में पुराने नागरिा अस्पताल को लेकर एक बार फिर दावा किया कि 600 बिस्तरों वाला आधुनिक सिविल अस्पताल सिविल लाइन में ही बनेगा। इसके निर्माण का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में निजी क्षेत्र के बड़े अस्पताल उपलब्ध हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए सरकारी सिविल अस्पताल ही उपचार का सबसे बड़ा सहारा है।

भारतीय प्रतिभा पर अमेरिकी प्रहार, अपने ही हितों से टकराता ट्रंप प्रशासन

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने आठ प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों को स्थायी निवास से जुड़ी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम (पीईआरएम) से बाहर करने का फैसला लेकर वैश्विक तकनीकी जगत में हलचल पैदा कर दी है। इस कदम की चपेट में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और कैपजेमिनी जैसी कंपनियां आई हैं। अमेरिकी प्रशासन ने कथित अनियमितताओं और स्थानीय कर्मचारियों के रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का हवाला दिया है। हालांकि, कंपनीवार आरोपों के समर्थन में विस्तृत सार्वजनिक साक्ष्य सामने आना अभी बाकी है, किंतु जांच के निष्कर्ष आने से पहले इन सभी कंपनियों को कठघरे में खड़ा करना अमेरिका की नीयत पर गंभीर संदेह पैदा करता है। इस प्रकरण का सबसे अहम पक्ष यह है कि अमेरिका जिस प्रतिभा के सहारे तकनीकी नेतृत्व बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, उसी प्रतिभा के भविष्य की अनिश्चितता में धकेल रहा है। भारतीय आईटी पेशेवर दशकों से अमेरिकी कंपनियों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और नवाचार केंद्रों में अपनी योग्यता साबित करते आए हैं। उनके योगदान को संदेह की दृष्टि से देखते हुए सामूहिक प्रतिबंध लगाना अमेरिकी आर्थिक हितों के साथ भी टकराव पैदा कर सकता है।

अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि कुछ कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को प्राथमिकता देकर अमेरिकी नागरिकों के रोजगार और वेतन पर दबाव डाल रही हैं। अपने नागरिकों के रोजगार की रक्षा करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। अब इस परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम (पीईआरएम) प्रक्रिया के अंतर्गत किसी नियोक्ता को यह प्रमाणित करना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त योग्य और उपलब्ध अमेरिकी कर्मचारी मौजूद हैं या नहीं, साथ ही विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से समान पदों पर कार्यरत अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कार्यस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव तो नहीं पड़ेगा। वस्तुतः अमेरिकी श्रम विभाग इस प्रक्रिया की निगरानी करता है। रोजगार संबंधी सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मौजूद होने के बावजूद कंपनियों के आवेदन रोक देना निश्चित ही भारत के पेशेवरों के लिए बहुत अपमानजनक है। यदि

किसी कंपनी ने नियमों का उल्लंघन किया है, तो उसके विरुद्ध प्रमाणों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। सवाल यह है कि किसी क्षेत्र में विदेशी कर्मचारियों की बड़ी संख्या अपने आप धोखाधड़ी का प्रमाण कैसे बन सकती है? वास्तव में यह प्रश्न अमेरिकी प्रशासन को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए। देखा जाए तो इस एक निर्णय से यहां रह रहे भारतीय एवं जो यूएस जाने की कतार में हैं, उनमें अधिकांश लोगों की वर्षों की पढ़ाई, पेशेवर अनुभव, कर भुगतान और रोजगार के आधार पर तैयार भविष्य की योजनाएं अचानक अनिश्चितता से घिर गई हैं। जिन परिवारों ने बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने और दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा से जुड़े फैसले लिए हैं, उनके लिए यह प्रशासनिक बदलाव गहरे व्यक्तिगत प्रभाव पैदा कर सकता है।

अमेरिकी सरकार यह कैसे भूल सकती है कि प्रतिभा की वैश्विक आवाजाही किसी एक पक्ष को शक्तिशाली नहीं बनाती है। कंपनियां दुनिया भर से विशेषज्ञ चुनती हैं क्योंकि आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में श्रेष्ठ कौशल की मांग लगातार बढ़ रही है। फिर अमेरिका को यह भी समझना चाहिए कि भारतीय मूल के लोगों का अमेरिका की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। Indiaspora और Boston Consulting Group की संयुक्त इम्पैक्ट रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी आबादी का लगभग 1.5 प्रतिशत है और कारोबार, विज्ञान, शिक्षा तथा सार्वजनिक जीवन में उसका प्रभाव उसकी जनसंख्या हिस्सेदारी से कहीं अधिक है। इस योगदान को समझने के लिए बड़ी कंपनियों के नेतृत्व पर नजर डालना पर्याप्त है। सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे भारतीय मूल के प्रमुख उद्योग नेता वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों का संचालन कर रहे हैं। भारतीय इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों ने सॉफ्टवेयर विकास, डिजिटल भुगतान, चिकित्सा तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भारतीय समुदाय अमेरिकी कारोबार में निवेश करता है, रोजगार के अवसर पैदा करता है, कर चुकाता है और अनुसंधान एवं उद्यमिता में भागीदारी निभाता है। उपलब्ध संस्थागत अध्ययन यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण सहभागी है। दूसरी ओर अमेरिकी



उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस द्वारा भारतीय पेशेवरों के संदर्भ में ‘इंडेंटर्ड सर्वेंट्स’ (ठेका नौकर) जैसी अपमानजनक शब्दावली का इस्तेमाल विवाद का दूसरा गंभीर पहलू है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस अभिव्यक्ति को अनुचित, आपत्तिजनक और अपमानजनक बताया है। मंत्रालय ने भारतीय पेशेवरों की उच्च शिक्षा, कौशल और अमेरिकी अर्थव्यवस्था तथा नवाचार तंत्र में उनके योगदान का उल्लेख किया है। ‘इंडेंटर्ड सर्वेंट्स’ शब्द औपनिवेशिक इतिहास से जुड़ा है। उन्नीसवीं शताब्दी में अनेक भारतीय श्रमिक अनुबंधित श्रम व्यवस्थाओं के तहत मॉरीशस, सूरीनाम और कैरेबियाई क्षेत्रों में ले जाए गए थे। उन व्यवस्थाओं में शोषण और कठोर परिस्थितियों का इतिहास दर्ज है। आधुनिक तकनीकी पेशेवरों के लिए इसी शब्दावली का प्रयोग वास्तव में संवेदनशीलता की अनदेखी करता है।

वस्तुतः लोकतांत्रिक समाज में रोजगार नीति पर कठोर बहस हो सकती है। कंपनियों की जवाबदेही भी तय की जा सकती है। फिर भी, किसी देश के कुशल पेशेवरों के गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली भाषा दो मित्र देशों के बीच भरोसे को कमजोर करती है। भारत की

आपत्ति इसी संदर्भ में समझी जानी चाहिए। भारत और अमेरिका के संबंध व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की रणनीतिक साझेदारी जैसे अनेक आयामों से जुड़े हैं। दोनों देश चीन के बढ़ते प्रभाव, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग के विषयों पर भी साझा हित रखते हैं। ऐसी परिस्थिति में भारतीय पेशेवरों के स्थायी निवास से जुड़े अवसरों पर प्रतिबंध व्यापक संबंधों में असहजता बढ़ाता है। भारत का विदेश मंत्रालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि कुशल पेशेवरों की आवाजाही दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। भारतीय प्रतिभा अमेरिकी कंपनियों को विशेषज्ञता और नवाचार देती है, जबकि अमेरिकी बाजार भारतीय पेशेवरों को अनुभव तथा विकास के अवसर उपलब्ध कराता है। ट्रंप प्रशासन की नीतियों का मूल्यांकन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए। घरेलू राजनीति में रोजगार संरक्षण का संदेश देना आसान हो सकता है, मगर वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसका असर कहीं अधिक जटिल होता है। कंपनियां अपनी भर्ती रणनीति बदल सकती हैं, परियोजनाएं दूसरे देशों में स्थानांतरित

शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है की इसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ति और स्वयं के अलौकिक स्वरुप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने-कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां वन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती है।

नारी सशक्तीकरण का पर्व है नवरात्रि

रमेश सराफ़ धमोरा

भारत त्योहारों का देश है जहां हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व और उससे जुड़ी पौराणिक कथा होती है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्रि । यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना और शक्ति आराधना का प्रतीक है। नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है। जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तीकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें। इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं –शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है कि ईसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ति और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने-कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते हैं। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आती है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है। नवरात्रि की नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है।

नवरात्रि एक प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्योहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाई जाती है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलने वाला त्योहार है



जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग-अलग रज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्ही नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती हैं। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दुसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है उसकी पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवां दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ कुंवारी लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा।

महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की तिथति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्तरु महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायें। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं। नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

विचार हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

ललित गर्ग

हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में नप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अशुी रह जाती है। इस संदर्भ में ‘कैरी मी बैक’ अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताया है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग की जानेवाली बोतलें वहां बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। तीर्थालय किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ‘जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास’ की सोच को ‘जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन’ में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता को वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

एक नजर

मां शैलपुत्री की आराधना से शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ

पटना, एन सी। शक्ति आराधना का महापर्व शादीय नवरात्रि का शुभारंभ रविवार हो गया। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होने वाले नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्रि के प्रथम दिन श्रद्धालु विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर मां दुर्गा की आराधना करेंगे। इसी के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां शैलपुत्री को शक्ति, श्रद्धा और सौभाग्य का स्वरूप माना जाता है। श्रद्धालु दिनभर उपवास रखकर मां की पूजा-अर्चना करेंगे।

नवरात्रि के दौरान घरा और पूजा पंडालों में मा दुर्गा को पूजा के साथ मंत्र, आरती और चालीसा का पाठ किया जाएगा। सुबह और शाम श्रद्धालु मां की आरती कर परिवार को पूजा-समृद्धि और कल्याण की कामना करेंगे। नवरात्रि को लेकर देवी मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की तैयारियां की गई हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का विधान है। प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की आराधना की जाती है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार ब्रत रखते हुए पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की चालीसा पाठ करने से घर में सकारात्मक वातावरण का संचार होता है तथा पूजा-समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के आगमन के साथ ही वातावरण भक्तिमय हो गया है और श्रद्धालु मां भगवती की आराधना में जुट गए हैं।

**छपरा में नवरात्रि जागरण का हुआ आयोजन,
देर रात्रि तक गूंजे माता के पारंपरिक भजन**



सारण, एजेंसी। शारदीय नवरात्रि की पूर्व संध्या पर शहर के शंकर दर्याल सहित महाविद्यालय के प्रांगण में एक नवरात्रि जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ने पूरे शहर में भक्तिमय और उसाहपूर्ण माहौल बना दिया, जिसमें छात्र-छात्राओं और शहरवासियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटनकर्ताओं में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संचालक विजय सिंह, विभाग व्यवस्था प्रमुख ओमप्रकाश गुप्ता, छपरा विधायक छोटी कुमारी, महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अरुण सिंह तथा राकेश कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि शामिल रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देर रात तक चले इस जागरण कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं शहर के छात्र-छात्राओं ने माता रानी के विभिन्न स्वरूपों की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं, जिसे देखकर सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक सुरीले भजन प्रस्तुत किए गए, जिन पर पूरा परिवार झूम उठा और जन माता दी के जयकारों से गूंज उठा। इस भाव-आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचार-प्रसार प्रमुख अवध किशोर मिश्रा, उत्तर बिहार संस्कार भारती के महामंत्री सुप्रभित दत्त, पूर्व विधायक सीतल गुप्ता, नगर निगम की पूर्व महापौर राखी गुप्ता सहित विश्व हिंदू परिषद के अरुण पुरोहित, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कई कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जानकी एक्सप्रेस में जुड़ा अतिरिक्त 3एसी कोच, कटिहार से शुरू हुई दो पूजा स्पेशल ट्रेनें



कटिहार, एजेंसी। दुर्गापूजा, दीपावली और छठ महापर्व के दौरान ट्रेनों में उमड़ने वाली यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रेल यात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेलवे ने जयनगर-मनिहार जानकी एक्सप्रेस ट्रेन में तीन महोत्सव के लिए एक अतिरिक्त 3 एसी कोच जोड़ने के साथ ही कटिहार-भागलपुर और कटिहार-सबौर के बीच दो पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया है। इस पहल से त्योहारी मौसम में कोसी और सीमांचल क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा अतिरिक्त कर्मकर्म सौतें उपलब्ध हो सकेंगी। जयनगर-मनिहार जानकी एक्सप्रेस को ट्रेन संख्या 15284 और 15283 में 11 अक्टूबर 2026 से 11 जनवरी 2027 तक एक अतिरिक्त 3 एसी कोच लगाया गया है। इस नए कोच के जुड़ने के बाद यह ट्रेन अब कुल 21 कोचों के साथ नियमित रूप से परिचालित होगी, जिससे लंबी प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। इस संदर्भ में कटिहार रेल मंडल के सीनियर डीएमएस सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि त्योहारों के दौरान स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ये आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे को सुविधा उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही उन्हें मुख्य जनक यात्रा उपलब्ध कराना है, और पर्व के दौरान उनकी यात्रा को सुगम बनाना रेल प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कटिहार-भागलपुर रेलखंड पर ट्रेन संख्या 03409/03410 पूजा स्पेशल का प्रतिदिन परिचालन 1 दिसंबर तक किया जा रहा है। इसमें ट्रेन संख्या 03409 भागलपुर से शाम 5:00 बजे जयनगर रत 9:40 बजे कटिहार पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 03410 कटिहार से सुबह 6:30 बजे रवाना होकर दोपहर 12:05 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इसके अलावा कटिहार-सबौर के बीच ट्रेन संख्या 05782/05781 पूजा स्पेशल का परिचालन सप्ताह में तीन दिन तक किया गया है, जो कुसेला, नगार्छिया, खार्छिया, मुंगेर, सुल्तानगंज और भागलपुर सहित प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

नीतीश कुमार ने किया 71वें श्री रामलीला महोत्सव और प्रदर्शनी का उद्घाटन

पटना, पुरेसी। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 71वें श्री रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पिछले 20 वर्षों में हुए विकास-कार्यों पर प्रदर्शनी भी लगाई गई है। महोत्सव एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने किया। आज से शुरू होकर 21 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस महोत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन वाले दशहरा कमिटी ट्रस्ट ने किया है।

उद्घाटन समारोह के दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि श्रीराम भारतीय संस्कृति के पर्याय हैं। आज जल्दतः इस बात की है कि हम केवल उनका नाम नहीं लें, बल्कि उनके आदर्शों को भी जीवन में उतारें। उन्होंने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि इस महोत्सव से लाखों श्रद्धालुओं को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन और आदर्शों से जुड़ने का अवसर मिलता है। संस्कृति को सहेजने की यह प्रशंसनीय पहल है। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार की जितनी पहचान सुशासन और विकास-कार्यों से बनी है, उतनी ही इसकी सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को नई भव्यता मिलने से भी बनी है। श्री रामलीला महोत्सव जैसी जीवंत सांस्कृतिक प्रीरणा ने बिहार की पहचान को और सशक्त बनाया है। दशहरा कमिटी ट्रस्ट ने नीतीश कुमार जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को नई ऊँचाई और पहचान देने का काम किया है। स्वयं ऐसे 'विकासपुरुष' के हाथों महोत्सव और प्रदर्शनी का उद्घाटन हमलोगों के लिए गौरव की बात है। मौके पर विधान परमिषद् में सत्तारूढ़ दल के उपनेता



ललन सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय गांधी, दशहरा कमिटी ट्रस्ट के चेयरमैन कमल नोपानी, अध्यक्ष अरुण कुमार, महासचिव प्रिंस कुमार राजू,

कोषाध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार, संयोजक मुकेश नंदन, सुषमा साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

**अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मेधावी छात्राओं
और साहसी बालिकाओं को किया गया सम्मानित**

सुपौल। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुपौल की ओर से बालिकाओं के सम्मान एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, खेलकूद और साहस के क्षेत्र में उत्कृष्टलेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। इस दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास का एक कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नायसा) और बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजेश कुमार बच्चन के निर्देशन तथा प्राधिकार के सचिव अमित गौप के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।

का क्रियम क दारान शक्षाक क क्षेत्र उह बताया गया कि दूह संकल्प, निरंतर परिश्रम और शिक्षा के बल पर वे किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजेश कुमार बच्चन ने सम्मानित बालिकाओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हमेश और बाहुदुरी का परिचय देने वाली दो अन्य बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने से बालिकाओं का उत्साह बढ़ा और उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने प्रोत्साहित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में महिला न्यायिक पदाधिकारियों ने बालिकाओं से संवाद कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बालिकाओं के सशक्तीकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षित और जागरूक बालिकाएं न केवल अपने अधिकारों को बेहतर ढंग से समझ सकती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। संवाद के दौरान बालिकाओं को आत्मविश्वास बनाए रखने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक समाधान करने के लिए प्रेरित किया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर ट्रैफिक पुलिस अलर्ट: पहली बार महिला पुलिसकर्मियों को मिली कमान

भगलपुर, एजेंसी। दुर्गा पूजा के त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए भगलपुर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियाँ तैयार कर दी हैं। इस बार शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने में महिला पुलिसकर्मियों की बेहद महत्व भूमिका होने वाली है। जिले के इतिहास में पहली बार महिला पुलिसकर्मियों को यातायात नियंत्रण की मुख्य जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। यही नहीं, ड्यूटी पर तैनात इन महिला पुलिसकर्मियों को हाईटेक कैमरों से भी लैस किया गया है ताकि पल-पल की स्थिति पर पैनी नजर रखी जा सके। दुर्गा पूजा के मद्देनजर यातायात डीएसपी संजय कुमार ने यातायात थाना में पुलिस जवानों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए। उन्होंने जवानों को मुस्तैदी से यातायात नियमों का पालन कराने, ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात को सुचारु रखने पर विशेष जोर दिया।

डाँएसपां न स्पष्ट कहा कि पूजा के दौरान किसी भी परिस्थिति में यातायात व्यवस्था को निर्यंत्रित रखना पुलिस को सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सभी जवानों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने और परिस्थितियों के अनुसार तुरंत एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं। इस बार की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभाव्य बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का सुलझा लिया जा रहा है। ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को हाईटेक कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पूजा के दौरान



मोडीभाड़ वाले सेवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी को मजबूत करना और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाम कसना है। महिला पुलिसकर्मीयों को इस तैनाती से यातायात प्रबंधन में उनकी भागीदारी और सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, उनकी तैनाती किन-किन प्रमुख स्थानों पर होगी और कैमरों की निगरानी की व्यवस्था किस प्रकार संचालित की जाएगी, इसकी विस्तृत रूपरेखा अभी पुलिस द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई है। दुर्गा पूजा के दौरान शहर के विभिन्न पूजा स्थलों, प्रमुख

सड़कों और मुख्य बाजारों में श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही रहती है, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न होने की बड़ी आशंका बना रहती है। ऐसे में यातायात पुलिस का मुख्य प्रयास रहेगा कि आम जनता और श्रद्धालुओं को आगमन में कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि महिला पुलिसकर्मियों को यह नई तैनाती और हाईटेक कैमरों का यह आधुनिक प्रयोग इस त्योहारी सीजन में भागलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था को कितना दुरुस्त रख पाता है।

किशनगंज सदर थाना परिसर में कांस्टेबल ने सर्विस पिस्टल से गोली मारकर की आत्महत्या

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के सदर थाना परिसर में रविवार सुबह एक कार्टरेबल ने अपनी सर्विस पिस्टल से फिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भागलपुर जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगापुर निवासी समीर कुमार के रूप में हुई है। वह किशनगंज सदर थाना में पदस्थित थे। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के अनुसार, रविवार सुबह करीब 8:15 बजे कार्टरेबल समीर कुमार ने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। घटना से पहले उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत की थी। गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां उनके शव को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

घटना की सूचना मुंबई के परिजनों को दे दी गई है। सूचना मिलने के बाद परिजन भालपुर से किशनगंज के लिए रवाना हो गए हैं। सहकर्मियों के अनुसार, समीर कुमार ने देरा खाता खाने के बाद आराम किया था। सुबह उठने के बाद वह अपनी पत्नी से मोबाइल फोन पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस पिटल से खुद को गोली मार ली। एक साथी कांस्टेबल ने बताया कि समीर पिछले दो-तीन दिनों से परेशान नजर आ रहे थे। उनकी पत्नी के साथ ही पिछले कई दिनों से किसी न किसी बात को लेकर विवाद चल रहा



था। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। समीर कुमार की पहली पोस्टिंग वर्ष 2015 में समस्तीपुर में हुई थी।

इसके बाद उनका तबादला मधुबनी कर दिया गया, जहाँ वह वर्ष 2025 तक तैनात रहे। अगस्त 2025 में वह किशनगंज आए थे। शुरुआत में उनकी

गंगा की तेज लहरों में समाए आशियाने,
खरीक के छोटी अलालपुर में हाहाकार

भागलपुर। जिले के खरीक प्रखंड अंतर्गत राधोपुर पंचायत के छोटी अलालपुर गांव में गंगा नदी के भीषण कटाव ने तबाही मचा दी है। गंगा की तेज धारा और पलायन हो रहे भू-कटाव के कारण इलाके में हाहाकार की स्थिति बन गई है। देखते ही देखते गंगा नदी कई अशियानों को अपने आगोश में ले चुकी है, जिससे दर्जनों परिवार बेघर हो गए हैं। स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि ग्रामीणों में अपनी जान और बची-खुची संपत्ति बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने की अफरा-तफरी मची हुई है। कटाव की गंभीरता को देखते हुए भागलपुर की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने नवगछिया एसपी वैभव शर्मा, एसडीपीओ सैयम राजा और जल संसाधन विभाग के अभियंताओं की टीम के साथ शनिवार को खुद राधोपुर और छोटी अलालपुर कटाव स्थल का दौरा कर जायजा लिया। डीएम ने देर रात तक प्रभावित माहदेवपुर घाट, ब्रह्मवाह स्थान और रेलवे बांध के पास चल रहे कटाव निरोधी कार्यों की गहन समीक्षा की।

इस दौरान उन्हीने नदी में हो रही अंडमाइनिंग की जांच करवाते हुए सिलचट फास्टिंग समग्र की उपलब्धता सुनिश्चित करके के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र के एक-एक नागरिक की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। जल संसाधन विभाग और स्थानीय प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ चौबीसों घंटे युद्ध स्तर पर कटाव निरोधी कार्य चलाने का निर्देश दिया गया है।

विविधतापूर्ण परिवारों के लिए राहत शिविर और कम्युनिटी किचन शुरू कर दिए गए हैं, जहां शब्द भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं, बच्चों के लिए दूध और पशुओं के लिए चारे की मुकम्मल व्यवस्था की जा रही है। कटाव और सुरक्षात्मक उपायों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, आपदा प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छोटी अलालपुर गांव में गंगा का रुख पिछले कुछ दिनों से बेहद आक्रामक बना हुआ है। राघोपुर रेल बांध का एक बड़ा हिस्सा नदी में विलीन हो चुका है। नदी की तेज लहरें जमीन को नीचे से खोखला कर रही हैं, जिसके कारण पक्के और कच्चे मकान ताश के पत्तों की तरह भरभराकर नदी में समा रहे हैं। कई लोग अपनी आंखों के सामने अपने जीवन भर की कमाई को पानी में बहते देखने को मजबूर हैं। बाढ़ और कटाव के इस दोहरे दंश के बीच पलालपुर, शंकरपुर और ननुकार जैसे गांवों के पीड़ित परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को विवश हैं। लोचं अपने मेडिसीन और अनाज के साथ उच्च स्थानों या मुख्य सड़कों पर शरण ले रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में लाइडस्पीक के से लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी कर दी है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि कटाव की रफ्तार इतनी तेज है कि उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिल रहा है। बेघर हुई महिलाओं को इस आपदा के बीच अपने घरों को खोने के साथ-साथ जीविका समूहों से लिए गए कर्ज को चुकाने की दोहरी चिंता भी सताते लगी है।

एक नजर

एयर इंडिया, एआई एक्सप्रेस ने रियाद की उड़ानें रद्द रखने की अवधि 15 तक बढ़ाई



नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिमी एशिया में तनावपूर्ण माहौल और सऊदी अरब के मौजूदा हालात के मद्देनजर एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया ने रियाद से आने-जाने वाली उड़ानों को रद्द रखने की अवधि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद के लिए अपनी सेवाएं 14 अक्टूबर तक रद्द की हैं। जबकि एयर इंडिया ने 15 अक्टूबर तक की उड़ानें निरस्त रखने का फैसला किया है। इससे पहले दोनों एयरलाइंस ने 10 अक्टूबर तक रियाद की उड़ानें रद्द करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि एयरलाइन कंपनियां स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं और क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों का लगातार आकलन कर रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया प्रभावित यात्रियों को उड़ानें रद्द होने पर पूरी धनराशि वापस करने की पेशकश भी कर रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के यात्रा की तारीख बदलने की सुविधा भी दे रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस भारत के चार शहरों जिसमें बेंगलुरु, कोच्चि, कन्नूर और कोझिकोड से रियाद के लिए साप्ताहिक आधार पर 16 उड़ानों का संचालन करती है। वहीं, एयर इंडिया दिल्ली और मुंबई से रियाद के लिए सप्ताह में सात उड़ानें संचालित करती है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों रियाद और आभा पर कथित तौर पर हथ्थी विद्रोहियों ने हमला किया था।

जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट ने स्मॉल-मिडकेप शेयरों पर जताया भरोसा, मजबूत घरेलू मांग और त्योहारों से चमकेगा बाजार

नई दिल्ली,एजेंसी। सितंबर की तिमाही में देश की छोटी और मझोली (स्मॉल और मिड कैप) कंपनियां मुनाफा कमाने के मामले में बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) को पीछे छोड़ सकती हैं। इस बात का अनुमान दिग्गज ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन की की ताजा रिपोर्ट में लगाया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में बढ़ रहे पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर), आधुनिक मैनुफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वेबड डेटा सेंटरों में हो रहे भारी निवेश का सीधा फायदा इन छोटी कंपनियों को मिल रहा है। हालांकि, कच्चे माल की बढ़ती कीमत और माल ढुलवाई की ऊंची लागत के चलते कंपनियों के मुनाफे के मार्जिन पर कुछ दबाव जरूर देखा जा सकता है लेकिन इसके बावजूद देश के भीतर मजबूत मांग के दम पर कॉरपोरेट जगत की कमाई दमदार रहने की उम्मीद है। कमाई की रफ्तार का अनुमान लगाते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में निफ्टी-50 में शामिल देश की दिग्गज कंपनियों के मुनाफे में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की अच्छी बढ़त देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही, जेपी मॉर्गन की निगरानी में आने वाली तमाम कंपनियों का कुल शुद्ध लाभ भी सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

अगर रेवेन्यू अर्निंग (राजस्व प्राप्ति) की बात करें तो सितंबर तिमाही में कंपनियों की आय ग्रोथ बढ़कर 20 प्रतिशत पर पहुंच सकती है, जो इससे पिछली तिमाही में 19 प्रतिशत रही थी। त्योहारों का सीजन जल्दी शुरू होने से कंपनियों द्वारा पहले से की गई तैयारियों और मजबूत घरेलू मांग ने इस ग्रोथ को रफ्तार देने में बड़ी भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तिमाही में मुनाफे की इस रफ्तार को मुख्य रूप से टैलर (धातु), लॉजिस्टिक्स, अस्पताल, रिटेल, कंज्यूमर डिस्क्र्रीशनरी, इंडस्ट्रियल और बैंकिंग सेक्टर से सहारा मिलेगा। हालांकि, हर सेक्टर की तस्वीर एक जैसी नहीं रहने वाली है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग, फार्मास्यूटिकल और दैनिक जरूरतों के इस्तेमाल का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की कमाई तो बढ़ेगी लेकिन लानात बढ़ने के कारण यह कमाई पूरी तरह से मुनाफे में तब्दील नहीं हो पाएगी। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर और सीमेंट कंपनियों के प्रदर्शन में सुस्ती बने रहने की आशंका जताई गई है।

राज्यपाल ने भारत–भूटान सीमा स्थित पटकीजुली का किया दौरा

गुवाहाटी,एजेंसी। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को तामुलपुर जिले में भारत–भूटान सीमा पर स्थित पटकीजुली गांव का दौरा करते हुए यह रेखांकित किया कि देश की ताकत सशक्त समुदायों और आत्मनिर्भर गांवों में निहित है। उन्होंने ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ‘विकसित भारत’ का पथना तभी साकार हो सकता है जब सीमावर्ती गांव समावेशी विकास, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सद्भाव के केंद्र बनें। इस अवसर पर, राज्यपाल ने ‘नमो मातृभूमि सुरक्षा एवं स्वावलंबन संकल्प सप्ताह’ के तहत पटकीजुली हाई स्कूल में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 64वां बटालियन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। ‘वाइब्रेंट विजले प्रोग्राम’ के तहत एसएसबी के सहयोग से लोक भवन, असम द्वारा आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य जन कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं की शैक्षिक उन्नति था। इस अवसर पर एसएसबी सीमांत के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। सुधीर वर्मा ने इस भ्रमण के लिए राज्यपाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

स्थानीय निवासियों, छात्रों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए, आचार्य ने कहा कि सीमावर्ती गांवों का विकास ‘विकसित भारत’ के विजन का एक अभिन अंग है। उन्होंने कहा कि



एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सशक्त गांव और सक्षम व आत्मविश्वासी ग्रामीण आवश्यक हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात एसएसबी कर्मियों के समर्पण की भी सराहना की और देश की सुरक्षा तथा सीमावर्ती समुदायों के कल्याण में उनके योगदान को सराहा। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर तामुलपुर के लोगों को बधाई देते हुए, राज्यपाल ने जिले की समृद्ध जातीय परंपराओं, जनजातीय विरासत और सांस्कृतिक विविधता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभिन्न समुदायों का सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व भारतीय सभ्यता की जीवंत भावना को दर्शाता है और यह दिखाता है कि कैसे विविधता में एकता देश के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है। राष्ट्र-निर्माण पर बात करते हुए, आचार्य ने नागरिकों से अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी, अनुशासन और लगन से निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सार्थक राष्ट्र-सेवा की शुरुआत

अपने गांव के विकास में योगदान देने, साथी नागरिकों का समर्थन करने और समाज की भलाई के लिए ईमानदारी से काम करने से होती है। राष्ट्र प्रथम’ की भावना को दोहराते हुए, उन्होंने लोगों से देश की प्रगति में अपना योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। राज्यपाल ने सीमावर्ती इलाकों में जीवन की गुणवत्ता सुधारने, रोजगार के अवसर पैदा करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में ‘वाइब्रेंट विलेजेंज प्रोग्राम’ (जीवंत ग्राम कार्यक्रम) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बसे गांव भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय जीवन का अहम हिस्सा हैं, और स्थानीय समुदायों को मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास का लाभ ज़मीनी स्तर तक पहुंचे, उनका विकास जरूरी है। ग्रामीण विकास में महिलाओं के सशक्तिकरण को एक अहम कारक बताते हुए, आचार्य ने उद्यमिता को बढ़ावा देने,

रोजगार को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान देने में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) की भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने सीमावर्ती इलाकों की उन महिलाओं को प्रमाण-पत्र बांटे जिन्होंने एसएसबी की 64वां बटालियन द्वारा बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी), पटकीजुली में आयोजित ब्यूटीशियन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया था। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपने नए सीखे गए कौशल का इस्तेमाल स्वरोजगार अपनाने, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और अपने परिवारों व समुदायों की समृद्धि में सक्रिय योगदानकर्ता बनने के लिए करें। युवाओं के लिए शिक्षा और नए अनुभव हासिल करने के महत्व पर बात करते हुए, राज्यपाल ने छात्रों से बड़े सपने देखने, पूरी लगन से पढ़ाई करने, नई तकनीकों को अपनाने और अनुशासन व कड़ी मेहनत की आदत डालने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लड़कियों को शिक्षा पाने, अपनी क्षमताएं विकसित करने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के समान अवसर मिलने चाहिए। युवाओं तक पहुंचने की अपनी पहल के तहत, एसएसबी ने सीमावर्ती इलाकों के लड़के-लड़कियों के लिए ‘भारत दर्शन’ टूर का आयोजन किया। राज्यपाल ने 10 से 15 अक्टूबर तक कोलकाता की यात्रा के लिए 20 सदस्यीय विद्यार्थियों के दल को खाना किया। इस पहल का मकसद छात्रों को अपनी सोच का दायरा बढ़ाने, देश की सांस्कृतिक विविधता को जानने-समझने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के मौके देना है।

मोबाइल ऐप से होगी खाद की खरीद, उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बढ़ाने की पहल

धमतरी। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने और खाद की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए जिले में मोबाइल ऐप आधारित नई डिजिटल प्रणाली लागू की जा रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग की ओर से जिला पंचायत सभाकक्ष में फ़्रेमवर्क फार फर्टिलाइजर सेल विषय पर एक दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किया गया। राज्य स्तर से आयोजित प्रशिक्षण में धमतरी, कुरुद, मंगरलोड और नगरी विकासखंड के कृषि विभाग के अधिकारियों, सहकारी समितियों के प्रबंधकों, कंयूटर ऑपरेटर्स, थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं तथा किसानों ने भाग लिया। जिले के 100 से अधिक प्रतिभागियों को नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। मोबाइल ऐप आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली को पहले गरियाबंद और बीजापुर जिलों में मॉडल के रूप में लागू किया गया था। इसके बाद रबी सीजन 2026-27 से इसे पूरे छत्तीसगढ़ में लागू किया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण को व्यवस्थित करना, कालाबाजारी पर नियंत्रण रखना तथा किसानों को ख़ाद प्राप्त करने में होने वाली अनावश्यक



पेशानियों को कम करना है। इसके अंतर्गत पीओएस मशीन से अनिवार्य बिक्री, उपलब्ध स्टॉक का वास्तविक समय में मिलान, पात्र किसानों का पंजीयन और आधार लिंकिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। इससे उर्वरकों की मांग का आकलन करने, भंडारण एवं वितरण की कार्ययोजना बनाने और अमानक उर्वरकों की बिक्री पर निगरानी मजबूत करने में मदद मिलेगी। नई प्रणाली के तहत किसान एफएफएस फर्टिलाइजर ऐप के माध्यम से उर्वरक खरीद की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। जिन किसानों के पास अपना मोबाइल फोन नहीं है, वे परिवार के किसी अन्य सदस्य के मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से ऐप इंस्टॉल कर आवश्यक

जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद टोकन अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से निर्धारित केंद्र से अनुशंसित मात्रा में उर्वरक प्राप्त किया जा सकेगा। किसान नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। प्रशिक्षण में उप संचालक कृषि, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के जिला नोडल अधिकारी और अनुविभागीय कृषि अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। नई व्यवस्था से उर्वरक की उपलब्धता, बिक्री और वितरण की निगरानी बेहतर होने तथा किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुकूप समय पर ख़ाद उपलब्ध कराने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

मुस्लिमों को ढगती रहीं सपा, बसपा और कांग्रेस, भाजपा सरकार ने दिया योजनाओं का लाभ : अनस उस्मानी

कानपुर,एजेंसी। सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुस्लिमों को बरगलाकर उनका वोट लेने का काम किया, लेकिन उनके हितों की चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ मुस्लिम समाज को भी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज बहु-चक्रकर भाजपा के पक्ष में मतदान करेगा। यह बातें शनिवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अनस उस्मानी ने कानपुर में अपने प्रथम आगमन पर स्वागत समारोह के दौरान कही। अनस उस्मानी के कानपुर पहुंचने पर जाजमऊ गंगा पुल से लेकर उनके आवास तक विभिन्न स्थानों पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। जाजमऊ गंगा पुल पर स्वागत के बाद नई चुंगी, गल्ला गोदाम, पंडित उपवन के सामने, नया गंज मेट्रो, फूलबाग चौराहा, नवीन मार्केट चौराहा और बकरमंडी चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया।

नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा और अभिनव दीक्षित ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। यहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई



दिया। इसके बाद अनस उस्मानी गुमटी स्थित गुरुद्वारे पहुंचे और दर्शन किए। विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रमों के बाद उनके आवास पर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष सलीम अहमद, कृष्ण दीक्षित, सिमरनजीत सिंह, परमजीत सिंह चंदौख, नाजिया

असद नवाज, अमरजीत सिंह पम्मी, जावेद, माशूक खान और विपुल जैन सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा ने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही।

सैनिकों और उनके परिवारों का कल्याण पूरे समाज की जिम्मेदारी: उपराष्ट्रपति

देवघर,एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने देवघर दौरे के दौरान दर्दमना स्थित पीडी हिंदुजा अस्पताल परिसर में आयोजित सैन्य सेवा संपर्क मेले के समापन समारोह में हिस्सा लिया। भारतीय सेना की ओर से आयोजित इस मेले का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों को विभिन्न सेवाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुवे भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि जब देश के सैनिक हमेशा राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, तो देश का भी दायित्व है कि वह सैनिकों और उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा रहे।

सैनिकों के बलिदान का सम्मान करना और उन्हें उचित सहयोग, देखभाल तथा सुविधाएं उपलब्ध कराना राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का हिस्सा होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति समाज के प्रत्येक व्यक्ति में प्रतिबद्धता होनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछवर करने वाले सैनिकों के बलिदान को हमेशा याद रखा जाए और उन्हें वह सम्मान, सहयोग तथा देखभाल मिले, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने झारखंड की सैन्य सेवा और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए परमवीर चक्र से सम्मानित लांस नायक अल्बर्ट एक्का तथा राज्य के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने मेले को भ्रमण भी किया और वहां उपलब्ध एकल-खिड़की यानों ‘सिंगल-विंडो’ सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को समय पर सहायता, स्वास्थ्य सुविधाएं, पेंशन सेवाएं



तथा शिकायतों के त्वरित समाधान उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक सीमाओं पर तैनात रहकर भारत की संप्रभुता, सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा करते हैं। उनके प्रति सम्मान केवल भावना का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व है।

समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों ने इस अभियान के दौरान साहस, शौर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। यह देश की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास करता है, लेकिन देश की संप्रभुता और सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि सैन्य सेवा संपर्क मेले जैसे आयोजन सैनिकों, पूर्व सैनिकों,

वीर नारियों और उनके परिजनों से सीधे संवाद करने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से उनकी जरूरतों को समझने और सरकार की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने में मदद मिलती है। उन्होंने स्थानीय सांसद डॉ. निशिकांत दुवे, बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट अस्पताल और आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सैनिकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। राज्यपाल ने युवाओं से सैनिकों के अनुशासन, साहस, संयम और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के विकास और सेवा में योगदान देने का अवसर हर व्यक्ति के पास है। इसके लिए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सैनिकों के प्रति सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और कार्यों में भी दिखाई देना चाहिए।